



नई दिल्ली। भाजपा ने अमेरिका पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए आज कहा कि भारतीय राजनयिक देवयानी खोबरागढ़ पर जनि परस्थितियों में कथित वीजा फर्जीवाड़े के आरोप लगाकर न्यूयार्क में गरिप्तार किया गया है उससे ना सरिफ किसी संदेह की बू आती है बल्कि यह भारत की संप्रभुता पर भी अतकि्रमण का प्रयास है।

पार्टी पूर्वक्ता रवशंकर प्रसाद ने यहां कहा, बड़ा मामला यह है कि किस तरह खोबरागढ़ की मेड के मामले को अमेरिका ने लिया। इस मामले में अमेरिका ने ना सरिफ भारतीय वरिष्ठ राजनयिक के साथ अस्वीकार्य व्यवहार किया बल्कि उसकी नौकरानी को संरक्षण देते हुए उसके माता पिता को तुरत पुरत वीजा देकर अमेरिका बुला लिया। इससे एक सोची समझी योजना का संकेत मलित है।

उन्होंने कहा, मेड के माता पिता के अमेरिका जाने के बाद उसने (मेड) एक उत्पीड़ित व्यक्ति के रूप में शरण मांगी। यह सब इशारा करता है कि कोई संदेहास्पद बात है।

भाजपा नेता ने सवाल किया कि खोबरागढ़ के साथ जो व्यवहार किया गया अगर अमेरिका के किसी राजनयिक के साथ उसका आधा भी किया जा तो अमेरिका की क्या प्रतिक्रिया होगी?

प्रसाद ने उदाहरण स्वरूप कहा, “पाकिस्तान में एक अमेरिकी राजनयिक पर हत्या का आरोप लगा लेकिन उसे एक सप्ताह के भीतर ही अमेरिका ले जाया गया। अमेरिका को अपने इस दोहरे मानदंड को स्पष्ट करने की जरूरत है।”

उन्होंने कहा कि खोबरागढ़ भारत की संप्रभुता का प्रतिनिधित्व करती है और अमेरिका सरकार को इस बात को समझना होगा।

1999 बैच की आई। फ। स अधिकारी खोबरागढ़ के 12 दिसंबर को वीजा फर्जीवाड़े के आरोपों में अमेरिका में उस समय गरिप्तार किया गया था जब वह अपनी बेटी को स्कूल छोड़ने गई थीं।

गरिप्तारी के बाद उन्हें हथकड़ी लगाई गई और कर्ना उतरवाकर तलाशी ली गई।

(भाषा)